880/870

दैनिक जागरण
जागरण सिटी
पृ० -3
22-05-2014

तैयार करें फूलगोभी की पौधशाला

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग व क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार तापमान बढ़ने की संभावना है। इसको ध्यान में रखते हुए पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने किसानों को दी गई अपनी सलाह में कहा है कि इस मौसम में अगेती फूलगोभी की पौधशाला बनाने का कार्य शुरू कर दें। तैयार पौधशाला को कम मोटाई वाली प्लास्टिक (20 से 30 माइक्रोन) से ढककर सूर्य तापीकरण करें।

इस प्रक्रिया से पौधों में रोग का कारण बनने वाले जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। वैज्ञानिकों ने अपनी सलाह में कहा है कि किसान कपास की बुवाई इस सप्ताह कर सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि बीज प्रामाणिक श्रोत से ही खरीदा जाए। कपास के बीज की उपयुक्त किस्मों में एच-777, एच- 991, एच- 1098 शामिल हैं।

मौसम पूर्वानुमान में इस सप्ताह अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस के रहने का अनुमान लगाया गया है। हवाओं की गति आठ से दस किलोमीटर प्रति घंटा रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। पूर्वानुमान को देखते हुए इस मौसम में बेलवाली फसलों में न्यूनतम नमी बनाएं रखें अन्यथा मिट्टी में कम नमी होने से परागण पर असर हो सकता है। जिसके परिणामस्वरूप फूल कम लगेंगे और पैदावार कम होगी। मिर्च के खेत में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में धंसा दें। इसके बाद इमिडाक्लोप्रिड की एक तिहाई मिलीलीटर मात्रा को एक लीटर पानी में मिलाकर तैयार घोल से छिड़काव करें।

फल व फूल मे सिंचाई जरूरी

वैज्ञानिकों ने अपनी सलाह में कहा है कि नींबू, आम, किन्नू प्रजाति व केले में वृक्षों की सिंचाई करते रहें और वृक्षों का लू से बचाव के लिए अवरोधकों का प्रयोग करें। गुलाब की क्यारियों में एक सप्ताह के अंतराल पर सिंचाई और निराई गुड़ाई करें। वहीं सूख चुकी टहनियों को काट दें। इस मौसम में किसान अपनी मिट्टी की जांच किसी प्रमाणिक श्रोत से कराएं और जहां संभव हो अपने खेत का समतलीकरण कराएं।

सुनीता गुप्ता
22/5/14
प्रभारी पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग
पुस्तकालय

प्रतिलिपि:
1. निदेशक कार्यालय
2. संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3. अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
4. प्रभारी, यू. एस. आई.
5. प्रभारी कटेट
6. प्रभारी पी. पी. आई.